development in Siachen Glacier figured in the discussions between the Prime Minister and the President of Pakistan in Oman on November 18, 1985.

Aircraft Accidents in Tejpur and Western Sector

1276. SHRI KISHOR MEHTA:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the PRIME MNISTER be pleased to state:

(a) whether an Air Force plane crashed at Kalkikonda in Tejpur (Assam) and another in western sector recently;

(b) what is the number of air crashes in Air Force during the last one year; and

(c) whether Government intends to make public the report of Air Marshal La Fontaine Committee on flight safety?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT (SHRI ARUN SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) This information cannot be disclosed in the public interest.

(c) No, Sir. The report of the Air Marshal La Fontaine Committee on Flight Safety is a classified document and cannot, therefore, be made public.

महासागर विकास विभाग में हिन्दी सलाहकार समिति

1277. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि महासागर विकास विभाग में हिंदी सलाहकार समिति का गठन नहीं किया गया है और गत तीन वर्षों के दौरान इसकी कभी भी नियमानुसार चार बैठकें नहीं की गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि भाषा के प्रचार, विकास और प्रयोग के लिए टेलीप्रिंटर, टेलेक्स, कम्प्यूटर और इलेक्ट्रानिक टाइपराइटर, आदि जैसे आवश्यक यंत्रों की इस विभाग में व्यवस्था नहीं की गई हैं जिसके कारण राजभाषा के वार्षिक प्रगामी कार्यक्रम पिछले ग्यारह वर्षों से पूरे नहीं किये जा सके हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर्यावरण और महासागर विकास विभागों की एक संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति का गठन दिसम्बर, 1983 में किया गया । इस समिति की 1984 के दौरान दो बैठकें हुई । आठवीं लोक सभा के गठन और कुछ नये मंत्रालयों/विभागों के सृजन के परिणामस्वरूप इस समिति का पुनर्गठन जुलाई, 1985 में किया गया । विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और महासागर विकास विभाग की संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति की आगामी बैठक 29 नवम्बर, 1985 को हो रही है ।

(ख) और (ग) महासागर विकास विभाग के पास इस समय हिन्दी टाइपराइटर पर्याप्त संख्या में हैं और उन्हें उपयोग करने के लिए समुचित स्टाफ है। कार्य की वर्तमान मात्रा को देखते हुए हिन्दी के टेलीप्रिंटर, टेलेक्स मशीन, कम्प्यूटर, आदि के खरीदने का औचित्य नहीं है । इस प्रकार के उपकरणों के अभाव में विभाग के राजभाषा कार्यक्रम पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति

1278. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार समिति का गठन नहीं किया गया है

और गत तीन वर्षों के दौरान इसकी कभी भी चार बैठकें नहीं हुई हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि भाषा के प्रचार, विकास और प्रयोग के लिये टेलीप्रिन्टर, टैलेक्स कम्प्यूटर और इलैक्ट्रानिक टाइपराइटरों आदि जैसे आवश्यक यंत्रों की इस मंत्रालय में व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण राजभाषा के वार्षिक प्रगामी कार्यक्रम पिछले ग्यारह वर्षों से पूरे नहीं हो सके हैं ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रभावी कदम उठाये गये हैं ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलैक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष, विभागों में राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण तथा महासागर विकास विभाग की संयुक्त हिन्दी सलाहकार समिति का गठन 13-12-1983 को किया गया था । उक्त समिति की दो बैठकें 1984 के दौरान आयोजित की गई । आठवीं लोक सभा/राज्य सभा के नये सदस्यों के चुनाव तथा कुछ नये मंत्रालयों/विभागों के सृजन के फलस्वरूप उक्त समिति का जुलाई, 1985 में पुनर्गठन किया गया । समिति की अगली बैठक 29 नवम्बर, 1985 को आयोजित की जा रही है ।

(ख) और (ग) इस मंत्रालय में हिन्दी टंकक, हिन्दी आशुलिपिक तथा देवनागरी टाइपराइटर उपयुक्त संख्या में हैं और इस विभाग में राजभाषा का विकास पिछड़ नहीं रहा है, परन्तु इस मंत्रालय का वैज्ञानिक स्वरूप होने के कारण, इस में हिन्दी में इतना कार्य नहीं उत्पन्न होता कि हिन्दी कम्प्यूटरों, टेलीप्रिन्टरों, टेलैक्स मशीनों को खरीदने का औचित्य ठहराया जा सके ।

अन्तरिक्ष कार्यक्रमों के लिए हिन्दी का प्रयोग

1279. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्तरिक्ष कार्यक्रमों के लिये अंग्रेजी का प्रयोग किया जा रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार राजभाषा अधिनियम की तथा हिन्दी के प्रचार के वार्षिक कार्यक्रम को अन्तरिक्ष विभाग में किस प्रकार लागू करने का विचार रखती है ?

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा इलेक्ट्रानिकी और अन्तरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री श्री शिवराज पाटिल : (क) अन्तरिक्ष कार्यक्रमों के लिये अंग्रेजी के अलावा, हिन्दी का भी यथासंभव प्रयोग किया जाता है

(ख) राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रचार के वार्षिक कार्यक्रम को अन्तरिक्ष विभाग में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार लागू किया जा रहा है ।

Indigenous development of AWACS

1280. SHRI KISHOR MEHTA:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government have decided to develop its own AWACS in view of the reluctance of western countries to give technological assistance for manufacturing them in India; and

(b) what steps have been taken so far in this regard and how much time is likely to be taken to develop them?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT SHRI ARUN SINGH): (a) Government has initiated necessary action to acquire AWACS capability indigenously.

(b) It will not be appropriate to discuss further details because of security reasons.